

[रणुका से रस्मिथों तक]



८११.६०६
कामे/दि

“..... मैं यह जानता हूँ कि तुम्हारे रास्ते में बाँट में क्या है। यह सीढ़ी भी है और नक्कल भी और सब भी मैं समझता हूँ कि तुम जानदार आलोचक हो।”

कवि दिग्गज लेखक को भेजे गये एक पत्र है—